

प्रेषक,

डा० पंकज कुमार पाण्डेय,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून : दिनांक 12 अगस्त, 2017

विषय- गांधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के उपयोगार्थ 02 Slit Lamp Biomicroscope with video attachment & applanation tonometer का मात्रानुबन्ध के अन्तर्गत क्रय किये जाने की अनुमति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-15प/भण्डार/49/2016/16004, दिनांक 13.06.2017, पत्र संख्या-15प/भण्डार/49/2016/18742, दिनांक 06.07.2017 एवं पत्र संख्या-15प/भण्डार/49/2016/22725, दिनांक 21.08.2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गांधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के उपयोगार्थ 02 Slit Lamp Biomicroscope with video attachment & applanation tonometer उपकरणों का क्रय किये जाने हेतु केन्द्रीय क्रय समिति द्वारा अनुमोदित तालिका में उल्लिखित फर्म को निम्नांकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन मात्रानुबन्ध के अन्तर्गत क्रय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

SNo	Description of Good	Name of the supplying Firm	Qty	Rates Exclusive of all taxes and duties per unit	GST @ 12%	Unit Price in Rs incl of all taxes & duties	4 Year CMC after 3 year Warranty per year	Total Amount (in INR) Incl of all taxes & duties with 4 year CMC after 3 year warranty	Remarks
1	2	3	4	5	6		6	7	8
1	Slit Lamp Biomicroscope with video attachment & applanation tonometer	M/s Towa Sales corporation	02	10,64,000.00	1,27,680.00	11,91,680.00	Ist yr 35,400.00 IInd yr 35,400.00 IIIrd yr 35,400.00 IVth yr 35,400.00 <b>Total 1,41,600.00</b>	23,83,360.00 + 2,83,200.00 CMC = 26,66,560.00	L1

- उपकरण को मात्रानुबन्ध के अन्तर्गत क्रय करने की कार्यवाही शासनादेश संख्या-37/XXVIII-4-2015-72(9)/2014, दिनांक 08.01.2015 में उल्लिखित व्यवस्था/प्रतिबन्धों के अधीन की जायेगी।
- उपकरणों के क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 में प्राविधानित समस्त धनराशि चिकित्सा अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-311/XXVIII-5-2016-20/2017, दिनांक 26.04.2017 द्वारा आपके निर्वर्तन पर रखी गई है। अतः उक्त शासनादेश दिनांक 26.04.2017 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- उपकरण क्रय में मद स्वीकृत धनराशि का आह्वरण/व्यय सम्बन्धित वित्तीय हस्त-पुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) नियमावली, 2008 एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) नियमावली, 2017 के प्राविधानों के अन्तर्गत तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं केन्द्रीय क्रय समिति की संस्तुति के अनुसार नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित



- किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण से सम्बन्धित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।
4. सी.एम.सी. से सम्बन्धित धनराशि वॉरण्टी अवधि समाप्त होने के पश्चात् यथा आवश्यकता क्रमिक वर्षों में क्रमिक रूप से ही सम्बन्धित फर्म को उपलब्ध करायी जायेगी।
  5. उपकरण क्रय करने एवं धनराशि आहरण करने की कार्यवाही करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि जिस चिकित्सालय हेतु उपकरणों का क्रय किया जा रहा है, उनमें आवश्यक चिकित्सा/पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध हो। यदि आपूर्ति के पश्चात् उपकरण शीघ्र क्रियाशील नहीं होते हैं तो इस हेतु सम्बन्धित अधिप्राप्ति करने वाले अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
  6. उपकरण का मूल्य उचित होने के सम्बन्ध में आवश्यक होने पर ही अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी।
  7. वित्तीय वर्ष की समाप्ति के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर क्रय की गयी सामग्रियों/उपकरणों एवं इनके संचालन हेतु उपलब्ध कार्मिकों के सम्बन्ध में तालिकाबद्ध आख्या शासन को अवश्य उपलब्ध करायी जायेगी।
  8. क्रय किये जा रहे उपकरण के लिये एक परफार्मेंस लॉग बुक एवं रिपेयर्स लॉग बुक रखे जाने की व्यवस्था होगी। उसमें मशीन/उपकरण के परफार्मेंस ब्रेक डाऊन आदि का समावेश रहे, जिसका समय-समय पर परीक्षण तथा अनुश्रवण विभिन्न अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
  9. उपकरणों को क्रय किये जाने के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा उपकरणों के क्रय तथा स्थापना आदि के सम्बन्ध में यदि कोई अनियमितता संज्ञान में आती है तो उसके लिये केन्द्रीय क्रय समिति के अध्यक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
  10. नियमानुसार समस्त प्रक्रियागत कार्यवाही पूर्ण करने के उपरान्त ही सामग्रियों/उपकरणों का क्रय किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा उपकरणों का मात्रानुबन्ध करते समय तत्समय प्रचलित वास्तविक दरों पर ही क्रय की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
  11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-01-110-23-गांधी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र की स्थापना-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संग्रह मद के अन्तर्गत किया जायेगा।

भवदीय,



किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण से सम्बन्धित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।

4. सी.एम.सी. से सम्बन्धित धनराशि वॉरण्टी अवधि समाप्त होने के पश्चात् यथा आवश्यकता क्रमिक वर्षों में क्रमिक रूप से ही सम्बन्धित फर्म को उपलब्ध करायी जायेगी।
5. उपकरण क्रय करने एवं धनराशि आहरण करने की कार्यवाही करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि जिस चिकित्सालय हेतु उपकरणों का क्रय किया जा रहा है, उनमें आवश्यक चिकित्सा/पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध हो। यदि आपूर्ति के पश्चात् उपकरण शीघ्र क्रियाशील नहीं होते हैं तो इस हेतु सम्बन्धित अधिप्राप्ति करने वाले अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. उपकरण का मूल्य उचित होने के सम्बन्ध में आवश्वस्त होने पर ही अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी।
7. वित्तीय वर्ष की समाप्ति के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर क्रय की गयी सामग्रियों/उपकरणों एवं इनके संचालन हेतु उपलब्ध कार्मिकों के सम्बन्ध में तालिकाबद्ध आख्या शासन को अवश्य उपलब्ध करायी जायेगी।
8. क्रय किये जा रहे उपकरण के लिये एक परफार्मेंस लॉग बुक एवं रिपेयर्स लॉग बुक रखे जाने की व्यवस्था होगी। उसमें मशीन/उपकरण के परफार्मेंस ब्रेक डाऊन आदि का समावेश रहे, जिसका समय-समय पर परीक्षण तथा अनुश्रवण विभिन्न अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
9. उपकरणों को क्रय किये जाने के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा उपकरणों के क्रय तथा स्थापना आदि के सम्बन्ध में यदि कोई अनियमितता संज्ञान में आती है तो उसके लिये केन्द्रीय क्रय समिति के अध्यक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. नियमानुसार समस्त प्रक्रियागत कार्यवाही पूर्ण करने के उपरान्त ही सामग्रियों/उपकरणों का क्रय किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा उपकरणों का मात्रानुबन्ध करते समय तत्समय प्रचलित वास्तविक दरों पर ही क्रय की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-01-110-23-गांधी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र की स्थापना-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र मद के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(डा० पंकज कुमार पाण्डेय)

अपर सचिव

संख्या-1013 (1)/XXVIII-4-2017-12(9)/2017T.C.-1, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. निदेशक भण्डार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. वित्त नियंत्रक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार, 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. वित्त अनुभाग-3/चिकित्सा अनुभाग-5/नियोजन विभाग/एनआईसी0।
7. गार्ड फाईल

आज्ञा से,

(सुनील कुमार सिंह)

अनु सचिव